सामाजिक विज्ञान

(नागरिक शास्त्र)

अध्याय-7: हाशियाकरण की समझ

SHIVOM CLASSES 8696608541

हाशियाकरण

कॉपियों के पन्नो पे बाई ओर खाली जगह होती है जहाँ आमतौर पर लिखा नहीं जाता है। उसे पन्ने का हसिया कहा जाता है

हाशियाई का मतलब होता है की जिसे किनारे या हासिये पर ढकेल दिया गया हो। ऐसे में वह व्यक्ति चीजों के केंद्र में नहीं रहता।

आदिवासी कौन लोग है ? आदिवासी शब्द का मतलब होता है ' मूल निवासी ' ये ऐसा समुदाय है जो जंगलो के साथ जीते आए है। भारत की लगभग 8 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है। देश के बहुत सारे महत्वपूर्ण खनन एव औद्योगिक क्षेत्र आदिवासी इलाको में है।

जमशेदपुर ,राउरकेला ,बोकारो और भिलाई का नाम आपने सुना होगा। भारत में 500 से ज्यादा तरह के आदिवासी समूह है। छत्तीसगढ़ ,झारखण्ड ,मध्यप्रदेश ,उड़ीसा ,असम ,मणिपुर ,मेघालय ,मिजोरम ,नागालैंड एव त्रिपुरा आदि राज्यों मेंआदिवासियों की संख्या काफी ज्यादा है।

जनजातीय धर्म

जनजाति (tribe) वह सामाजिक समुदाय है जो राज्य के विकास के पूर्व अस्तित्व में था या जो अब भी राज्य के बाहर हैं। जनजाति वास्तव में भारत के आदिवासियों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक वैधानिक पद है। भारत के संविधान में अनुसूचित जनजाति पद का प्रयोग हुआ है और इनके लिए विशेष प्रावधान लागू किये गए हैं।

भारत में जनजातियों की जनसंख्या:- 1991 की जनगणना के अनुसार 6,77,58,380 भारत में जनजातियों की जनसंख्या है।

भाषाएँ

भारत में सभी आदिवासी समुदायों की अपनी विशिष्ट भाषा है। भाषाविज्ञानियों ने भारत के सभी आदिवासी भाषाओं को मुख्यतः तीन भाषा परिवारों में रखा है। द्रविड़, आस्ट्रिक और चीनी-तिब्बती। लेकिन कुछ आदिवासी भाषाएं भारोपीय भाषा परिवार के अंतर्गत भी आती हैं। आदिवासी भाषाओं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

में 'भीली' बोलने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है जबकि दूसरे नंबर पर 'गोंडी' भाषा और तीसरे नंबर पर 'संताली' भाषा है।

आदिवासी और प्रचलित छवियाँ

हमारे देश में आदिवासियों को एक खास तरह से पेश किया जाता रहा है। स्कूल के उत्सवों , सरकारी कार्यक्रमों या किताबों व फिल्मों में उन्हें सदा एक रूप में पेश में ही किया जाता है।

वे रंग-बिरंगे कपड़े पहने , सिर पर मुकुट लगाए और हमेशा नाचते-गाते दिखाई देते हैं। खास समुदायों को बनी-बनाई छवियों में देखते चले जाने की वजह से इस तरह के समुदायों के साथ अक्सर कितना भेदभाव होने लगता है।

आदिवासी और विकास

उन्नसवीं सदी के आखिर तक हमारे देश का बड़ा हिस्सा जंगलों से ढँका हुआ था। इन विशाल भूखंडो का आदिवासियों के पास जबरदस्त ज्ञान था। सारे वन संसाधनों के लिए आदिवासीयों पर निर्भर रहते थे। आज उन्हें हाशियाई और शक्तिहीन समुदाय के रूप में देखा जाता है।

इमारती लकड़ी और खेती व उद्योगों के लिए विशाल वनभूमियों को साफ किया जा चुका है।

आदिवासियों के इलाके में खनिज पदार्थों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की भी भरमार रही है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इसलिए इन ज़मीनों को खनन और अन्य विशाल औद्योगिक परियोजनाओं के लिए बार-बार छीना गया है।

सरकारी आँकड़ो से पता चलता है कि खनन और खनन परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वालों में 50 प्रतिशत से ज्यादा केवल आदिवासी रहे हैं।

भारत में 54 राष्ट्रीय पार्क और 372 वन्य जीव अभ्यारण हैं। इनका कुल क्षेत्रफल 1,09,652 वर्ग किलोमीटर है।

ये ऐसे इलाके हैं जहाँ मूल रूप से आदिवासी रहा करते थे। अब उन्हें वहाँ से उजाड़ दिया गया है।

अगर वे इन जंगलो में रहने की कोशिश करते हैं तो उन्हें गुसपैठिया कहा जाता है।

अल्पसंख्यक और हाशियाकरण

हाशियाकरण का अर्थ है किसी को हाशिये या किनारे पर ढकेलना। ऐसे में वह व्यक्ति समाज के केंद्र व मुख्यधारा में नहीं रहता। अल्पसंख्यक शब्द समान्यतः ऐसे समुदाय के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो संख्या की दृष्टि से बाकी आबादी के मुकाबले से बहुत छोटा होता है।

अल्पसंख्यक

ऐसे समुदायों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो संख्या की दृष्टि से बाकी आबादी के मुकाबले बहुत कम हैं।लेकिन यह अवधरणा केवल संख्या के सवाल तक ही सीमित नही हैं , बल्कि इसके सामाजिक व सांस्कृतिक आयाम भी होते हैं।

बहुसंख्यक समुदाय की संस्कृति समाज और सरकार की अभिव्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। संभव है कि छोटे समुदाय हाशिये पर खिसकते चले जाएँ।

मुसलमान और हाशियाकरण

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की आबादी में मुसलमानों की संख्या 14.2 प्रतिशत है। उन्हें हाशियाई समुदाय के मुकाबले उन्हें सामाजिक-आर्थिक विकास के लाभ नही मिलते।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

सरकार ने 2005 में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। न्यायमूर्ति राजिन्दर सच्चर की अध्यक्षता में बनाई गई ।

इस समिति ने भारत में मुस्लिम समुदाय की सामाजिक , आर्थिक और शैक्षणिक स्थिती का जायज़ लिया।

समिति के रिपोर्ट से पता चलता है कि विभिन्न सामाजिक , आर्थिक एवं शैक्षणिक संकेतकों के हिसाब से मुसलमानों की स्थिति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जैसे अन्य हाशियाई समुदायों से मिलती-जुलती है।

मुसलमानों के आर्थिक व सामाजिक हाशियाकरण के कई पहलू हैं। इनके रीति-रिवाज़ और व्यवहार मुख्यधारा के मुकाबले काफ़ी अलग है।कुछ मुसलमान में बुर्क़ा , लंबी दाढ़ी और फ़ैज टोपी की चलन दिखाई देता है।

घेटोआइजेशन

घेटोआइजेशन या घेटोयसेशन से अभिप्राय है किसी भी अल्पसंख्यक जाती या समुदाय को बाकी समुदायों या जातियों से अलग-थलग कर देना। ऐसे समुदायों या जातियों के लिए शहर या गांव के किसी भी कोने में एक अलग स्थान या कहें की रहने की व्यवस्था की जाती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 92)

प्रश्न 1 हाशियाकरण शब्द से आप क्या समझते है ? अपने शब्दों में दो – तीन वाक्य लिखिए।

उत्तर – हाशियाकरण शब्द से तात्पर्य यह है कि जिसे किनारे या हाशिये पर ढकेल दिया गया हो। ऐसे में वह व्यक्ति चीजों के केंद्र में नहीं रहता। यह एक ऐसी चीज़ है जिसे आपने कभी न कभी कक्षा या खेल के मैदान में कभी ना कभी ज़रूर महसूस किया होगा। कक्षा की तरह समाज में भी ऐसे समूह या समुदाय हो सकते है जिन्हें इस तरह की बेदखली का एहसास रहता है। उनके हाशियाकरण की वजह यह हो सकती है कि वे अलग भाषा बोलते है, अलग रीति – रिवाज अपनाते है या बहुसंख्यक समुदाय के मुकाबले किसी दूसरे धर्म के है। समाज के दबे हुए लोगों को हाशिये पर माना जाता है।

प्रश्न 2 आदिवासी लगातार हाशिये पर क्यों खिसकते जा रहें है ? दो कारण बताइए।

उत्तर –

(क) कृषि कारणों से एवं उद्योग लगाने के लिए जंगल लगातार काटे जा रहें है।

(ख) खनन आदि जैसी विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आदिवासियों को उनके घरों से निकाल दिया जाता है जिसके कारण आदिवासी अपनी आजीविका के मुख्य साधन से वंचित हो जाते है।

प्रश्न 3 आप अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षाओं को क्यों महत्वपूर्ण मानते है ? इसका एक कारण बताइए।

उत्तर – मौलिक अधिकारों के जरिए हमारा संविधान धार्मिक और भाषायी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा प्रदान करता है। अल्पसंख्यक शब्द आमतौर पर ऐसे समुदायों के लिए इस्तेमाल है जो संख्या की दृष्टि से बाकी आबादी के मुकाबले बहुत कम है। लेकिन यह अवधारणा केवल संख्या के सवाल तक ही सीमित नहीं है। इसमें न केवल सत्ता और संसाधनों तक पहुँच जैसे मुद्दे जुड़े हुए है, बल्कि इसके सामाजिक व सांस्कृतिक आयाम भी होते हैं। भारतीय संविधान इस बात को मानता है कि बहुसंख्यक समुदाय की संस्कृति समाज और सरकार की अभिव्यक्ति को प्रभावित कर सकती है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ऐसी सूरत में छोटा आकार घाटे की बात साबित कर सकती है और संभव है कि छोटे समुदाय हाशिये पर खिसकते चले जाए। ऐसे में अल्पसंख्यक समुदायों को बहुसंख्यक समुदाय के सांस्कृतिक वर्चस्व की आशंका से बचाने के लिए सुरक्षात्मक प्रावधानों की जरूरत है।

प्रश्न 4 अल्पसंख्यक और हाशियाकरण वाले हिस्से को दोबारा पढ़िए। अल्पसंख्यक शब्द से आप क्या समझते है ?

उत्तर – अल्पसंख्यक से अभिप्राय यह होता है कि जो संख्या में कम होते है। जैसे:- भारत में हिंदू, मुस्लिम, क्रिश्चयन, सिक्ख धर्म से जुड़े लोग रहते है। भारत में हिंदू बहुसंख्यक है, जबकि मुस्लिम, क्रिश्चयन, सिक्ख अल्पसंख्यक है।

प्रश्न 5 आप एक बहस में हिस्सा ले रहे हैं जहाँ आपको इस बयान के समर्थन में तर्क देने हैं कि ‘ मुसलमान एक हाशियाई समुदाय है। ‘ इस अध्याय में दी गई जानकारियों के आधार पर दो तर्क पेश कीजिए ।

उत्तर – मुस्लिम समुदाय निम्नलिखित तौर से हाशिये पर है जैसे :- मुस्लिम समुदाय आर्थिक तौर पर पिछड़े हुए हैं तथा आर्थिक विकास से उपेक्षित रहे हैं। भारत में 63.6% मुस्लिम कच्चे घरों में रहते हैं, जबकि 55.20 हिंदू कच्चे घरों में रहते हैं। भारत में 65 % हिंदू साक्षर है, जबकि 59% मुस्लिम साक्षर हैं। मुस्लिम समुदाय में केवल 7 से 16 वर्ष के बच्चे ही स्कूल जा पाते हैं। जो कि अन्य समुदायों से बहुत कम है।

प्रश्न 6 कल्पना कीजिए कि आप टेलीविजन पर 26 जनवरी की परेड देख रहे हैं। आपकी एक दोस्त आपके नज़दीक बैठी है। वह अचानक कहती हैं, “ इन आदिवासियों को तो देखो, कितने रंग – बिरंगे हैं। लगता है सदा नाचते ही रहते है।“ उसकी बात सुन कर आप भारत में आदिवासियों के जीवन से संबंधित क्या बातें उसको बताएँ। उनमें से तीन बातें लिखें।

उत्तर – अधिकांश आदिवासी घने जंगलों में रहते हैं। जिसके कारण इनका जंगली से एक संबंध बन जाता है। आदिवासी प्रायः अपने कबीले के धार्मिक रीति – रिवाजों का पालन करते हैं जिसमें वे अपने पुरखों क गाँव और प्रकृति की पूजा करते हैं। आदिवासी उन स्थानों पर रहते हैं। जो प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर होते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 7 चित्रकथा पट्ट में आपने देखा कि हेलेन होप आदिवासियों की कहानी पर एक फिल्म बनाती है। क्या आप आदिवासियों के बारे में एक कहानी बना कर उसकी मदद कर सकते हैं ?

उत्तर – उड़ीसा के जंगलों में कई आदिवासी कबीले रहते हैं। उनमें से एक कबीला ' सोन कबीला ' है जिसकी संख्या लगभग 200 के पास है। इस कबीले के लोगों के पास यद्यपि अधिक धन – दौलत नहीं है। परंतु प्राकृतिक संसाधनों के कारण ये अपना गुजर – बसर कर लेते हैं। इनके कबीले के पास से एक नदी गुजरती है जिसमें से ये मछली पकड़ बाज़ार में बेच देते हैं। इससे इन्हें कुछ पैसे मिल जाते हैं। परंतु कुछ समय बाद राज्य सरकार ने उस नदी पर एक बड़ा बाँध बनाने का निर्णय किया। परंतु इस बाँध से आदिवासी बेघर हो जाते, उनकी आजीविका का साधन छिन जाता। अतः उन्होंने राज्य सरकार के विरुद्ध आंदोलन किया, इसमें कुछ समाज सेवी संगठन एवं पर्यावरण से संबंधित संगठन भी शामिल हो गए। इन संगठनों ने राज्य के निर्णय को न्यायालय में चुनौती दी। न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि बांध बनाने से पहले, आदिवासियों के पुनर्वास का प्रबंध करें। राज्य सरकार ने न्यायालय के आदेशानुसार सोन कबीले के लोगों के पुनर्वास एवं आजीविका का प्रबंध किया। तत्पश्चात् उन्होंने बाँध निर्माण का कार्य शुरू किया।

प्रश्न 8 क्या आप इस बात से सहमत है कि आर्थिक हाशियाकरण और सामाजिक हाशियाकरण आपस में जुड़े हुए है ? क्यों ?

उत्तर – यह एक कटु सत्य है कि आर्थिक और सामाजिक हाशियाकरण आपस में जुड़े हुए हैं क्योंकि जो लोग आर्थिक तौर पर हाशिये पर होते हैं, वे सामाजिक तौर पर भी हाशिये पर होते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)